NBT Page 4

नए सत्र से दो पालियों में चलेंगी एलयू की कक्षाएं!

समय से कोर्स पूरा करवाने के लिए एलयू प्रशासन कर रहा विचार

■ **शिवम अग्निहोत्री, लखनऊ :** देशभर में फैली कोविड-19 महामारी को देखते हुए शैक्षिक संस्थानों में नए सत्र शुरू करने को लेकर तरह-तरह की रणनीतियां बन रही हैं। इसी कड़ी में लखनऊ विश्वविद्यालय भी नए सत्र से दो पालियों में कक्षाएं चलाने पर विचार कर रहा है, जिससे कोर्स जल्द से जल्द पूरा करवाया जा सके और शैक्षणिक सत्र पटरी पर आ सके।

कॉलेजों में भी लागू होगा

एलयू के अधिकारियों के मुताबिक, परीक्षाओं को लेकर रणनीति तैयार की जा चुकी है। केवल सरकार के निर्देश को देखते हुए तारीख में फेरबदल करना पड़ेगा। इसके अलावा नया सत्र शुरू करने के लिए योजनाओं पर विचार किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, दो पालियों में कक्षाएं चलाई जा सकती हैं। इसमें कोर्स पूरा करने के लिए एक ही विषय की कक्षा दिन में दो बार भी करवाई जा सकती है। अगर इस रणनीति पर मुहर लग जाती है तो इसे सम्बद्ध कॉलेजों में भी लागू कर दिया जाएगा।

अगस्त में भी नया सत्र शुरू होने के आसार कम

एलयू के अधिकारियों के मुताबिक, अगर 31 मई को लॉकडाउन खत्म हो जाता है तो इसके बाद से 15 जून तक कुछ ट्रेनें और बसों का संचालन शुरू होगा, जिसके बाद ही स्टूडेंट्स विश्वविद्यालय में 30 जून तक आ पाएंगे। इसके बाद बचे हुए कोर्सों की क्लासेज और प्रैक्टिकल करवाया जा सकेगा। इसके लिए 15 से 20 जुलाई तक सोशल डिस्टेंसिंग को ध्यान में रखते हुए क्लासेज करवानी होंगी। वहीं, तब जाकर जून के आखिरी सप्ताह से मेन और प्रवेश परीक्षाएं शुरू की जा सकेंगी। इसके बाद परीक्षा परिणाम, प्रवेश परीक्षा की काउंसलिंग और अन्य कार्य होंगे। ये सभी कार्य तभी सम्भव होंगे जब 31 मई को लॉकडाउन खुलेगा और हालात सामान्य होंगे। इस हिसाब से अगस्त में भी नया सत्र शुरू होने के आसार कम ही नजर आ रहे हैं।

“हालात को देखकर सरकार के जो भी निर्देश होंगे, उसी के तहत आगे की योजना बनाई जाएगी। फिर वो चाहे मेन परीक्षा की हो या प्रवेश परीक्षा। *दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, एलयू*

HINDUSTAN Page 5

लखनऊ विवि छात्रों को बनाएगा कर्मयोगी

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय अपने छात्रों को अब सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं देगा बल्कि, उन्हें कर्मयोगी भी बनाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय अपने स्तर पर कर्मयोगी स्कीम लेकर आ रहा है।

इसके अंतर्गत छात्र को पढ़ाई करने के साथ ही विवि के साथ काम करने का मौका मिलेगा और विवि इसके लिए भुगतान भी करेगा। विवि में आगामी 27 मई को प्रस्तावित कार्यपरिषद की बैठक में इसका प्रस्ताव रखा जा रहा है।

विवि की लाइब्रेरी, अकाउंट्स सेक्शन से लेकर सभी विभागों में डाटा एंट्री आदि तमाम काम होते हैं, जो अभी तक बाहरी संस्थाओं से कराया जाता है। कर्मयोगी स्कीम के तहत इसमें विवि के छात्र-छात्रा शामिल होंगे।

इसके लिए छात्रों को अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में आवेदन करना होगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण की देखरेख में गठित तीन सदस्यीय समिति छात्रों का चयन करेगी। एक छात्र को उसकी क्लास के बाद दो घंटे काम करने को मिलेगा।